Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 200 , 26 दिसम्बर, मंगलवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

कुख्यात सोनू पंजाबन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की साइबर सेल की टीम ने फुकरे फिल्म की भोली पंजाबन के तर्ज पर अंतरराज्यीय मानव तस्करी कर दलाली करने वाली व कई जघन्य मामलों को अंजाम देने में लिप्त रहने वाली कुख्यात गीता अरोड़ा उर्फ सोनू पंजाबन को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महिला पर आईटीपी एक्ट, मकोका एक्ट, हत्या, पोक्सो एक्ट जैसे पांच मामले पहले से ही दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस टीम आरोपी महिला से पूछताछ करते हुए मामले में आगे की छानबीन करने में जुटी हुई है।पुलिस के मुताबिक एक नाबालिग लड़की द्वारा जानकारी मिली कि उसकी तस्करी कर उसे जिस्मफरोशी के लिए जबरदस्ती की जा रही है। उसने यह बताया कि उसका सौदा कई दलालों द्वारा किया गया है, जिसमें सोनू पंजाबन भी है। हालांकि इसके बाद आरोपियों द्वारा जान पर खतरा होने के बाद पीड़ित नाबालिग लड़की छिप गई। उधर मामले की जांच में जुटी टीम ने एसीपी संदीप लाम्बा के नेतृत्व में पीड़िता पता लगाकर उसे ढूढ़ निकाला। जिसके बाद पीड़िता के बयान के आधार पर जांच कर रही टीम ने तस्करी, खरीद फरोख्त, दुष्कर्म, जिस्म फरोशी के लिए जबरन मजबूर करना आदि मामलों में शामिल होने संबंधि मामला दर्ज करते हुए दिल्ली समेत उत्तर प्रदेश व हरियाणा के कई जगहों पर छापेमारी करते हुए सोनू पंजाबन को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सोनू पंजाबन पर महरौली, प्रीत विहार व बहादूरगढ़ में पांच मामले दर्ज हैं। जिसमें महरौली में दर्ज मामले में सोनू पंजाबन पर मकोका भी लगाया जा चुका है।

रेलवे की लॉड्री में बॉयलर का पाइप फटा, श्रमिक की मौत

नई दिल्ली। क्नाट प्लेस स्थित बंसत लेन में रेलवे के केंद्रीय अस्पताल के मशीनीकृत धुलाई घर में बॉयलर का पाइप फटने से रविवार को एक मजदूर की मौत हो गयी। उत्तर रेलवे की ओर से जारी बयान के अनुसार, इस मशीनीकृत धुलाई घर के परिचालन एवं रख-रखाव का काम बाहरी ठेकेदार लौंडरेड को दिया गया है। बयान में कहा गया, रविवार दोपहर बॉयलर के बाहर की पाइप फट गया और इस पाइप का एक टुकड़ा निकलकर ठेकेदार के श्रमिक प्रदीप (37) के सिर पर जा लगा। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे बचाने के लिये तुरंत उपचार एवं सभी संभव चिकित्सकीय बचाव किये। बताया गया कि चूंकि उसके सिर में गहरा जख्म था, इसलिए रेलवे के चिकित्सकों ने उसे तुरंत राम मनोहर लोहिया अस्पताल भेज दिया। उत्तर रेलवे के प्रवक्ता नितिन चौधरी ने बताया, जब वह राम मनोहर लोहिया अस्पताल में था, तब चिकित्सकों ने उसकी हालत में सुधार का भरसक प्रयास किया, लेकिन करीब 35 मिनट के प्रयास और जीवन रक्षक पण्राली में रखे जाने के बाद भी उसे बचाया नहीं जा सका और उसकी मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि महाप्रबंधक और संभागीय रेलवे प्रबंधक के साथ रेलवे के कई अधिकारियों ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया। रेलवे के बयान में कहा गया कि उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने इस मामले की जांच वरिष्ठ अधिकारियों एवं रेलवे मुख्यालय स्तर पर कराये जाने के आदेश दिये हैं।

क्वार्टर फाइनल में नागल ठाकरान व सदर बाजार मंडल जीते

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा की ओर से आयोजित यमुना चैलेंज ट्राफी क्रिकेट प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मैच में नागल ठाकरान व सदर बाजार मंडल की टीम ने जीत दर्ज की है। सांसद मनोज तिवारी के लोकसभा क्षेत्र की दो टीमें शिव विहार, नंद नगरी, डॉ. हर्षवर्धन के क्षेत्र की एक टीम सदर बाजार, डॉ. उदित राज के क्षेत्र की एक टीम नागल ठाकरान सेमीफाइनल में पहुंची। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में आज दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 4 टीमों के बीच दो मैचों का आयोजन किया गया।

मामूली कहासुनी में हत्या मामले में दो नाबालिग बंदी

नई दिल्ली। मोती नगर इलाके में मामूली कहासुनी के दौरान एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या करने के आरोपी दो नाबालिगों को पुलिस ने पकड़ लिया है। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ करते हुए मामले में आगे कार्रवाई कर रही है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, अब्दुलाह (24) छोटे भाई अब्दुल रहमान (22) व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मोती नगर इलाके में स्थित जखीरा में रहता है। वह दर्जी का काम करता है, जबकि उसका भाई मजदूरी करता है। घटना तीन दिन पहले की है।

प्रकाशोत्सव पर रोशनी से नहाए प्रमुख गुरुद्वारे

नई दिल्ली। प्रकाशोत्सव की तैयारियां पूर्ण हो चुकी है। राजधानीवासी सोमवार को गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के जन्मदिन पर गुरुद्वारा बंगला साहेब, शीशगंज, रकाबगंज, मजनू का टीला गुरुद्वारा, गुरुद्वारा मोतीबाग समेत अन्य जगहों पर नगर कीर्तन, शोभायात्रा व अन्य कई प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से गुरुद्वारों की भव्य सजावट की शोभा देखते ही बन रही है। गुरुद्वारा रकाबगंज और बंगला साहेब को जगमग मरती सोने के रंग वाली बिजली की लड़ियों से सजाया गया है। जिसकी शोभा देखते ही बन रही है। यहां पर विभिन्न संकीर्तन मंडलियां गुरु गोविंद सिंह के विविध बाल रूपों गुणगान कर रही है। यहां पर अलग से प्रदर्शनी भी लगाई गई है। जिसे देखने के लिए देश विदेश के श्रद्धालु शिरकत कर रहे हैं। गुरुद्वारा के विशाल प्रांगण में बने सरोवर में लोग पूजन करते हुए नजर आए। लंगर भी वितरित किया जा रहा है। वर्ड ब्रदरहूड आर्गनाइजेशन की ओर से राजिन्दर नगर में नगर कीर्तन निकाला गया। इसमें 1500 से अधिक लोगों के लिए लंगर लगाया गया। आर्गनाइजेशन के महासचिव सरदार इकबाल सिंह जगदेव ने कहा कि यह सहयोग है की श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्मदिन और कृषमस का त्यौहार एक दिन है । सभी धर्मो के लोग दोनों त्योहार आपस मे मिलकर बड़े है उत्साह से मानते है।

मैक्स मामला : पीड़ित पिता ने कहा अदालत की निगरानी में हो जांच

पुलिस को डीएमसी के जवाब का इंतजार, जांच में हो सकती है देरी

नई दिल्ली। शालीमार बाग स्थित मैक्स अस्पताल द्वारा गलत तरीके से मृत घोषित कर दिए गए जुड़वा बच्चों के पिता ने इस मामले में अदालत की निगरानी में जांच का आग्रह किया है। उनका आरोप है कि मौजूदा जांच निष्पक्ष नहीं है। रोहिणी की मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष वकील रिशिपाल सिंह के जरिए दायर याचिका में आशीष कुमार ने यह भी अनुरोध किया है कि अदालत संबंधित थाना प्रभारी को निर्देश दे कि वह जांच में हो रही प्रगति की जानकारियों को साझा करें। याचिका में कहा गया है कि मौजूदा समय में चल रही जांच निष्पक्ष नहीं है और इससे मामला प्रभावित हो सकता है। याचिका में मामले की स्थिति रिपोर्ट की एक प्रति मुहैया कराने का भी आग्रह किया गया है। शालीमार बाग मैक्स अस्पताल में गत 30 नवम्बर को समय से पूर्व जुड़वा बच्चों (एक लड़का और एक लड़की) का जन्म हुआ था, जिन्हें अस्पताल के डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। हालांकि जब माता-पिता अंतिम संस्कार के लिए बच्चों को लेकर जा रहे थे तब उन्होंने एक बच्चे (लड़का) को जिंदा पाया और उसे तत्काल किसी अन्य अस्पताल में ले गए। बाद में एक नर्सिग होम में इस बच्चे की मौत हो गई थी। सिंह ने कहा कि आवेदक ने आरोप लगाया है कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने में 20 घंटे की देरी की गई। उन्होंने कहा, हमने इस मामले में सीबीआई जांच की भी मांग की है।

मैक्स अस्पताल में जुड़वां बच्चों में से एक को गलत तरीके से मृत घोषित किये जाने के मामले में दिल्ली पुलिस की जांच में देरी हो सकती है क्योंकि वह दिल्ली चिकित्सा परिषद (डीएमसी) के जवाब का इंतजार कर रही है।

पुलिस ने इस मामले में नौ चिकित्सकों व दो नसरे को कथित चिकित्सीय लापरवाही के मामले में 20 दिसम्बर को नोटिस जारी कर 15 दिन के भीतर जवाब तलब किया है। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा मामले की जांच कर रही है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि चूंकि मामला चिकित्सीय लापरवाही का है इसलिए हमें विशेषज्ञों की राय पर भरोसा करना होगा।

एएसआई को बेकाबू कार ने मारी टक्कर

नई दिल्ली। मंदिर मार्ग इलाके में एक एएसआई को बेकाबू कार ने टक्कर मारकर जख्मी कर दिया। घायल पुलिसकर्मी की पहचान राजवीर सिंह के तौर पर की गई और वह यातायात पुलिस में तैनात है। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

आध्यात्मिक विवि में अपनों की तलाश में भटक रहे परिजन

केजरीवाल ने एलजी से किया कार्रवाई का अनुरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। विजय विहार के आध्यात्मिक विविद्यालय में अपनों की तलाश में लगातार उनके परिजन भटक रहे हैं। कोई राजस्थान से दिल्ली आकर अपनी बेटी की तलाश कर रहा है तो कोई मध्यप्रदेश तथा उत्तर प्रदेश से आया है। सूत्रों की माने तो कथित बाबा वीरेंद्र देव दीक्षित की तलाश अब तक पूरी नहीं हो पाई है जबकि विजय विहार स्थित उसके आश्रम पर कार्रवाई का आज छठा दिन है और यहां दिनभर परिजनों का तांता लगा रहा। सूत्रों ने बताया कि शनिवार को राजस्थान पुलिस बाबा के आश्रम के खिलाफ सर्च वारंट के साथ आई थी। स्थानीय पुलिस की मदद से राजस्थान पुलिस आश्रम के भीतर जाकर एक लड़की की तलाश पूरी की लेकिन पुलिस और लड़की का परिजनों को बैरंग लौटना पड़ा क्योंकि जिस लड़की को राजस्थान पुलिस लेने आई थी वह बालिग निकली और उसने अपने परिवार के साथ जाने से साफ इनकार कर दिया। बताया जाता है कि करीब ढाई महीने पहले राजस्थान के झुंझुनू जिले से एक लड़की अपने घर से भागकर इस आश्रम में आई थी और उसके परिजनों ने इसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। झुंझुनू पुलिस को जब लड़की के विजय विहार के आध्यात्मिक विविद्यालय में मौजूद होने की सूचना मिली तब वह लड़की के परिजनों के साथ दिल्ली आ गए लेकिन लड़की ने घर जाने से मना कर दिया। लड़की के एक रिश्तेदार ने बताया कि उनलोगों को पहले से यह पता था कि उनकी लड़की विजय विहार में है और उन्होंने स्थानीय पुलिस से मदद भी मांगी थी, लेकिन स्थानीय पुलिस का कोई खास सहयोग नहीं मिला। ऐसा ही एक परिवार मध्य प्रदेश के रीवा से भी आया है। मध्य प्रदेश के रहने वाले इस परिवार की बेटी पिछले कई साल से रोहिणी के विजय विहार के आश्रम में रह रही है। परिजनों ने बताया कि जब भी वह अपनी बेटी से मिलने आते थे आश्रम वाले उन्हें मिलने नहीं देते थे। इस बार जब बाबा के खिलाफ कारवाई की बात सुने तो वह लोग दिल्ली आ गए। जिसके बाद उनलोगों को लड़की से मिलवाया गया लेकिन बेटी ने मुलाकात तो कर ली, लेकिन साथ जाने से साफ मना कर दिया। एक अन्य परिवार लखनऊ से विजय विहार आया है और दावा यह किया गया है कि उनकी बेटी पिछले तीन साल से यहां रह रही है। लड़की के पिता ने कहा कि उनकी बेटी घर जाना चाहती है लेकिन आश्रम वालों ने कहा है कि लड़की यहां अपनी मर्जी से है और वह घर नही जाना चाहती। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यहां एक स्वयंभू बाबा के आश्रम से छुड़ाई गई लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर उप राज्यपाल अनिल बैजल से हस्तक्षेप करने की मांग की है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि विवादित आश्रम की गतिविधियों के पीछे पुलिस और भाजपा के कुछ नेताओं के बीच साठगांठ थी। हालांकि, भाजपा ने आरोपों को खारिज कर दिया है। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा है कि मैं माननीय एलजी से व्यक्तिगत तौर पर हस्तक्षेप करने और आश्रम के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा छुड़ाई गई लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध करता हूं। यदि किसी पुलिसकर्मी ने दुर्भावनापूर्ण हरकत की है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उधर संवाददाता सम्मेलन में आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने आश्रम संचालक वीरेंद्र देव दीक्षित को गिरफ्तार करने की मांग की। दिल्ली में द्वारका और रोहिणी स्थित आश्रम से करीब 46 लड़कियां छुड़ाई गई हैं। उन्होंने कहा है यह पुलिस और भाजपा के कुछ नेताओं की सांठगांठ का नतीजा है। अब तक फर्जी बाबा गिरफ्तार नहीं किया गया और यह अब भी नहीं पता कि उसके द्वारा ऐसे कितने आश्रम संचालित किए जा रहे हैं। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि भाजपा भारतीय संस्कृति का पालन करती है, सभी धर्मो और आध्यात्मिक गुरुओं का सम्मान करती है। हालांकि, भाजपा का नाम आश्रम के हालिया भंडाफोड़ से जोड़ा जाना निंदनीय है।

बिना प्रदूषण जांच के चल रहीं मंत्रियों की गाड़ियां : गुप्ता

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली सरकार के तमाम मंत्रियों की गाड़ियां प्रदूषण नियंतग्र प्रमाण पत्र (पीयूसी) प्राप्त किए बिना चल रही हैं। सरकार प्रदूषण को लेकर घड़ियाली आंसू बहाती रहती है और कायदे-कानून को लेकर खुद बेफिक्र है। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मीडिया में आई खबर का हवाला देते हुए बयान दिया है कि यह सिलसिला दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार तथा आम जनता के बीच बढ़ते हुए अविास की ओर संकेत करता है। उन्होंने कहा कि इस समय जब शहर में प्रदूषण अपने चरम स्तर पर पहुंच गया है, सरकारी वाहनों द्वारा नियमों की अनदेखी करना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री, पर्यावरण मंत्री सहित सभी मंत्रियों की सरकारी गाड़ियां बिना प्रदूषण जांच प्रमाण पत्र के चल रही हैं। इन गाड़ियां में नेता विपक्ष व राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के अध्यक्ष की गाड़ियां भी शामिल है।

श्री गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की सड़कों पर हजारों की संख्या में वाहन बिना प्रदूषण नियंतग्रजांच प्रमाणपत्र के चल रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि दिल्ली की सड़कों पर बिना प्रदूषण नियंतग्र प्रमाण पत्र वाले वाहन न चलें इसके लिए एक कुशल व प्रभावी व्यवस्था का होना जरूरी है, जिससे ये गाड़ियां दिल्ली की सड़कों पर प्रदूषण न फैलाएं। श्री गुप्ता ने कहा लचर सरकारी व्यवस्था के कारण केजरीवाल सरकार बढ़ते प्रदूषण के स्तर के किसी मुद्दे पर गंभीर नहीं है। अगर सरकारी वाहनों में ही नियमों का पालन नहीं करते तो नागरिकों को इन नियमों का पालन करने के लिए कैसे प्रेरित किया जा सकता है।

भीख मांगने वाले बच्चों के पुनर्वास के लिए बनेगी कार्ययोजना

पांच जनवरी को होगी इस मामले को लेकर बैठक

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली की सड़कों पर भीख मांग रहे बच्चों के पुनर्वास के लिए कुछ महीने पहले शुरू किए गए अभियान में उम्मीद के मुताबिक सफलता न मिलने के बाद अब इसको लेकर व्यापक कार्य योजना बनाने की तैयारी है और इस संदर्भ में पांच जनवरी को एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों, सभी जिला अधिकारियों और बाल अधिकार संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाई है। एनसीपीसीआर के सदस्य (किशोर न्याय कानून एवं पॉक्सो कानून) यशवंत जैन ने बताया कि पहले के अभियान के बावजूद दिल्ली की सड़कों पर बच्चे अब भी भीख मांग रहे हैं। इस समस्या पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने के लिए व्यापक कार्ययोजना की जरूरत है। कार्ययोजना तय करने के लिए हमने पांच जनवरी को सभी संबंधित पक्षों की बैठक बुलाई है। दरअसल, अगस्त महीने में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देशन में एनसीपीसीआर ने बड़े महानगरों में सड़कों पर भीख मांग रहे बच्चों को हटाने के लिए अभियान शुरू किया था। एनसीपीसीआर ने इस अभियान में पहले दिल्ली पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया था। इस अभियान में पुलिस की मदद से भीख मांग रहे बच्चों का पुनर्वास करने का प्रयास शामिल था। एनसीपीसीआर के मुताबिक इस समस्या को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा था जिसके जवाब में मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि वह इस समस्या को लेकर गंभीर है और हर संभव कदम उठाए जाएंगे। बीते अगस्त महीने में अभियान की शुरआत से पहले महिला बाल विकास मंत्री मेनका गांधी ने कहा था, हम बच्चों के भीख मांगने को लेकर जीरो टोलरेंस महीना आयोजित करने जा रहे हैं। पहले छह बड़े मेट्रो में पुलिस की मदद लेकर हम बैकहेंड सुविधा की व्यवस्था करने जा रहे हैं। यानी खुले आश्रय स्थल (ओपन शेल्टर), बाल गृह जैसे विकल्प अपनाए जाएंगे। जैन ने कहा, दिल्ली की सड़कों से भीख मांग रहे बच्चों के पुनर्वास को सभी सरकारी और गैर सरकारी एजेंसियों के बीच तालमेल की जरूरत है।

पूरी तरह संचालन योग्य बनाने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय कर रहा जद्दोजहद

छह नए एम्स में अनुबंध पर रखे जाएंगे रिटायर डॉक्टर

नई दिल्ली(एजेंसी)। उपयुक्त अभ्यर्थियों की अनुपलब्धता के कारण छह नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को पूरी तरह से संचालन योग्य बनाने के लिए स्वास्थ मंत्रालय जद्दोजहद कर रहा है। इसी कड़ी में उसने अब देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में काम कर चुके सेवानिवृत्त डॉक्टरों को अनुबंध पर रखने का निर्णय लिया है।छह नए एम्स में सरकार प्रोफेसरों, अतिरिक्त और सहायक प्रोफेसरों के विभिन्न संकाय पदों पर सेवानिवृत्त डॉक्टरों को अनुबंध पर रखेगी। इन पदों को दो चरणों के प्रयास के बाद भी भरा नहीं जा सका। डॉक्टरों और संकाय की कमी के कारण छह नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)-ऋषिकेश, जोधपुर, भोपाल, रायपुर, पटना और भुवनेश्वर में पूरी तरह से कामकाज शुरू नहीं हो पाया है।

क्या है आदेश : आदेश में कहा गया है कि नए खुलने वाले एम्स में प्रोफेसर, अतिरिक्त प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर के स्तर पर अनुबंध के आधार पर सेवानिवृत्त डॉक्टरों को रखने के लिए सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी ले ली गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने दो बार विज्ञापित किया।

पिछले वर्ष हमने जोधपुर, भोपाल, पटना, रायपुर, भुवनेश्वर और ऋषिकेश में एम्स के लिए 1,300 पदों के लिए विज्ञापन दिया लेकिन केवल 200 पद ही भरे जा सके। इनमें से ज्यादातर अभ्यर्थी इन पदों के लिए उपयुक्त नहीं पाए गए। पिछले दो वर्षो में जोधपुर एम्स में केवल 47 प्रतिशत रिक्त पदों को ही भरा जा सका। इसके बाद भुवनेश्वर में 45 प्रतिशत रिक्तियों, ऋषिकेश में 43 प्रतिशत, भोपाल में 35 प्रतिशत और रायपुर में केवल 24 प्रतिशत रिक्त पद ही भरे जा सकें। पटना एम्स अपने संकाय पदों के केवल 17 प्रतिशत पदों को ही भर सका है। **एम्स दिल्ली :** एम्स दिल्ली के फैकल्टी सदस्यों ने कहा कि नए एम्स में नियुक्तियां करना उचित है, यह जरूरत की मांग है लेकिन उन्होंने सरकार से यह भी अनुरोध किया कि मौजूदा समय में देश की राजधानी दिल्ली स्थित एम्स में रिक्त पदों को वरीयता क्रम में भरना चाहिए। एम्स फैकल्टी डा. विजय कुमार ने क हा कई बार इस ओर मंत्रालय व सरकार का ध्यानाकर्षित किया जा चुका है। यहां पर देशभर के मरीजों का दबाव रहता है।

चुनौतियां जीवन को रोचक बनाती हैं और उन पर विजय पाना जीवन को सार्थक बनाता है -जॉशुआ जे मरीन

लालू के घोटाले

घोटाला मामले में लालू प्रसाद को सीबीआई की विशेष न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद राजद खेमे में मायूसी होना स्वाभाविक है। आखिर राजद का अभी तक पूरा वजूद लालू प्रसाद पर ही निर्भर रहा है। चार वर्ष पहले लालू प्रसाद को चारा घोटाले के ही एक मामले में सजा हो चुकी है और वे जमानत पर हैं। यह मामला देवघर कोषागार से 89.27 लाख रु पये की गलत निकासी का है। चार मामले उन पर और हैं। इन दो ताजा मामलों में सजा होने के बाद जब तक हाईकोर्ट या उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय उनको बरी नहीं करता उनके चुनावी जीवन पर ग्रहण लगा रहेगा। लालू देश के पहले राजनेता हुए जिनकी सांसदी सजा के कारण चली गई थी और आगे वे चुनाव लड़ने से वंचित हो गए। इसका क्षोभ उनके और उनके समर्थकों के अंदर होना स्वाभाविक है। किंतु न्यायालय का फैसला तयों और साक्ष्यों पर निर्भर करता है। आखिर इसी न्यायालय ने 22 आरोपितों में से छह को बरी कर दिया। यानी उनका दोष प्रमाणित नहीं हुआ। पर जिस ढंग से लालू-समर्थकों और राजद के बड़े नेताओं ने इस पर प्रतिक्रियाएं व्यक्त की हैं, वह चिंताजनक हैं। एक बड़े नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री यह कह रहे हैं कि आखिर किस आधार पर जगन्नाथ मिश्र को रिहा किया गया एवं लालू प्रसाद को सजा हुई! एक नेता कह रहे हैं कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर सजा करवाई है। यह न्यायालय की निष्पक्षता और उसकी स्वतंत्रता दोनों पर प्रश्न उठाना है। यह भी कहा जा रहा है कि लालू प्रसाद पिछड़ी जाति से हैं, इसलिए सजा मिली है। देश की न्यायपालिका की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र है। सजा किसी को हो किसी राजनीतिक दल और कम-से-कम बड़े नेताओं से इस तरह की प्रतिक्रियाओं की उम्मीद नहीं की जा सकती है। आखिर इस फैसले के विरु द्ध वे अपील भी कहां करेंगे? किसी न्यायालय में ही न! ये पहले न्यायपालिका पर पूरा भरोसा जता रहे थे और अब दोषी ठहराते ही उनकी भाषा बदल गई। उम्मीद है कि आरंभिक क्षोभ के बाद उनकी स्वस्थ और विवेकसम्मत प्रतिक्रियाएं आएंगी। वे न्यायालय को लेकर अपने बयान को संयमित करेंगे। कल लालू प्रसाद को ऊपर का कोई न्यायालय बरी कर दे तो क्या कहा जाएगा, यह भी उन्हें सोचना चाहिए। सियासी लड़ाई अपनी जगह है, पर न्यायपालिका को इसमें न घसीटा जाए, इसमें सबका हित है।

खतरनाक बयान

राजनीतिक दल बनाकर चुनाव लड़ने की घोषणा की है, पाकिस्तान में एक प्रकार का तूफान आ गया है। हाफिज सईद भले भारत में आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेवार हो, भारत के खिलाफ हिंसा फैलाने और कश्मीर को हिंसा से पाकिस्तान में मिलाने का खतरनाक बयान दे रहा हो; पाकिस्तान में उससे सारे राजनीतिक दल डरते हैं। उन्हें भय है कि कहीं वह और उसके लोग जीतकर राष्ट्रीय असेम्बली और प्रांतीय असेम्बलियों में आ गए तो क्या होगा! हालांकि उसकी पार्टी मिली मुस्लिम लीग को निबंधित करने से पाकिस्तानी चुनाव आयोग दो बार इनकार कर चुका है। पर आगे क्या होगा, यह कोई नहीं जानता। अब वहां की सरकार ने न्यायालय में यह अपील की है कि उसकी पार्टी को निबंधित करने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए। ध्यान रखिए, वहां की सरकार पिछले कई महीनों से इस पर चुप्पी साधे हुए थी। क्यों? ऐसा लगता है कि हाफिज सईद को रिहा करने के बाद पाकिस्तान सरकार की दुनिया भर में जिस तरह से निंदा हुई है और खासकर अमेरिका ने उसे लताड़ा है, उसका यह असर हो रहा है। अमेरिका ने तो साफ कहा है कि हाफिज सईद को गिरफ्तार कर कानून के कठघरे में खड़ा करना चाहिए। पाकिस्तान ऐसा तो नहीं कर रहा। पाकिस्तान की जांच एजेंसियों ने उसके खिलाफ मामला ही इतना हल्का बनाया था कि न्यायालय ने अंतत: उसे रिहा कर दिया। यह वहां की सरकार की विफलता थी। आतंकवाद के जैसे सख्त कानून पाकिस्तान में हैं, उनके तहत उस पर कार्रवाई होती तो उसके रिहा होने का कोई कारण ही नहीं था। तो अब उसकी पार्टी का विरोध कर पाकिस्तान सरकार दिखाना चाहती है कि वह हाफिज सईद के खिलाफ है। किंतु इससे दुनिया को पाकिस्तान बरगला नहीं सकता। अगर हाफिज ने राजनीति में आने का निश्चय किया है तो वह आएगा, चाहे उसे जो तरीके अपनाने पड़े। नई पार्टी का निबंधन करा सकते हैं, जो अनजान हों और उसमें हाफिज अपना उम्मीदवार खड़ा कर दे। यह भी संभव है कि वह स्वयं और उसके लोग जगह-जगह निर्दलीय चुनाव लड़ें और प्रचार में यह संदेश दिया जाए कि ये हाफिज की पार्टी के लोग हैं। मूल बात है हाफिज के खिलाफ आतंकवादी कानून में कार्रवाई करना, जो पाकिस्तान नहीं कर रहा है।

सत्संग

सहजता और सजगता

सच्चा साधक होगा। उसके अंदर तीन बातें मुख्य रूप से होगी। वह है-सरलता, सहजता और सजगता। जिसका आज समाज में सर्वथा अभाव दिखता है। व्यक्ति झूठे दिखावे में अपनी सारी जिंदगी समाप्त कर देता है। अत: सरलता उससे कोसों दूर रहती है। दुनिया में जितने भी महान लोग हुए, उन सबने समाज के समक्ष एक स्वाभाविक सरलता का आदर्श प्रस्तुत किया। उनकी कथनी, करनी में कोई फर्क नहीं था। स्वामी विवेकानंद, स्वामी रामतीर्थ सहित आधुनिक भारत को समस्त विश्व में प्रतिष्ठापित करने के लिए गांधीजी ने जिस सरलता और सादगी से अपना जीवन आदर्श प्रस्तुत किया। वह स्तुत्य है। ऐसे अनेकों उदाहरण हैं, जिनसे हमें सरलता की सीख मिलती है। सिद्ध साधक ऋषि-मुनियों ने समाजोत्थान के लिए स्वयं को तपाया। जितने भी महापुरुष हुए, उन सबने जीवन की वास्तविकता को समझते हुए बाहरी आडंबरों से बचने के लिए मानव जीवन को समय-समय पर प्रेरित किया। अवतारों में राम जी से बढ़िया उदाहरण भला और किसका हो सकता है। स्वामी राम कृ ष्ण परमहंस के जीवन की ऐसी कई घटनाएं हैं, जो उनकी सादगी और सरलता को दर्शाती हैं। दूसरी है सहजता। तुलसीदास जी ने कहा है कि ऐसा कोई विरला ही होगा, जिसके पास धन आए और उसको अहंकार न हो। यही बात रूप-सौंदर्य, ज्ञान आदि को लेकर भी है। जो इन सबसे बच गया, वह सहजता का प्रतीक बन जाएगा। जो वृक्ष जितना फलदार होगा, उसकी डालियां उतनी झुकी होगी। सहजता व्यक्ति को ऊपर उठाता है। जो सहज होगा, वह विपरीत परिस्थितियों में भी अपना संतुलन नहीं खोएगा। जब समुद्र रास्ता नहीं दे रहा था, उस कठोर पल में भी राम जी ने मर्यादा का पालन किया। अपनी वास्तविक सहजता बनाए रखी। बुद्ध व महावीर राजर्षि परिवार से होने के बावजूद अत्यंत सहज थे। क्योंकि वे जीवन के सच्चे मर्म को जानते थे। तीसरी चीज है-सजगता। दार्शनिक सुकरात का कहना था कि जो साधक है, वह सजग होगा ही। सतर्कता के बना सच्चा साधक नहीं बना जा सकता है। जैसे सामान्य जीवन के क्रियाकलापों में सजगता रखते हुए हम कई अनहोनी घटनाओं के घटित होने से बच सकते हैं, ठीक उसी प्रकार अंतर्मन के सजग प्रहरी बनकर हम अपनी जीवन यात्रा सफ ल कर सकते हैं। छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर व्यक्ति साधना के पथ पर अग्रसर हो सकता है।

''लालू शैली' की राजनीति

चारा घोटाले में इस दूसरी सजा के बाद लालू प्रसाद के लिए अब जेल से बाहर आना कठिन है। कानून विशेषज्ञ बताते हैं कि एक बार से अधिक सजा पाए सजायाफ्ता को आम तौर पर जमानत नहीं मिलती। उसे अपनी सजा पूरी करनी पड़ती है। लालू प्रसाद ने अपने छोटे पुत्र तेजस्वी प्रसाद यादव को अपना उत्तराधिकारी बना दिया है। तकनीकी तौर पर पार्टी में उनकी ही बात चलनी चाहिए। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता तो उसे ही मानेंगे जिनकी पीठ पर लालू प्रसाद का हाथ होगा। पर लालू परिवार में कई अन्य महत्त्वपूर्ण हस्तियां भी हैं। लालू प्रसाद की अनुपस्थिति में सबके बीच तालमेल बना कर रखने की चुनौती रहेगी। जानकार लोग बताते हैं कि यह कोई मामूली चुनौती नहीं है।

सतीश पेडणोकर

''लालू शैली' की राजनीति कमजोर होगी। यह गरीब राज्य के लिए एक महत्त्वपूर्ण विकास है। यह राजनीतिक विकास कछ लोगों के लिए तो सकारात्मक होगा तो कुछ लोगों के लिए नकारात्मक। जिन्हें लालू शैली से अब तक लाभ हुआ है, वे उदास होंगे। लालू प्रसाद के खिलाफ रांची अदालत के ताजा फैसले के बाद यह स्थिति पैदा हुई है। ''लालू शैली' की राजनीति को जारी रखने के लिए खुद लालू प्रसाद की बिहार में उपस्थिति जरूरी है। लालू शैली क्या है, यह राजनीति का क-ख-ग जानने वाले जानते हैं। चारा घोटाले में इस दूसरी सजा के बाद लालू प्रसाद के लिए अब जेल से बाहर आना कठिन है। कानून विशेषज्ञ बताते हैं कि एक बार से अधिक सजा पाए सजायाफ्ता को आम तौर पर जमानत नहीं मिलती। उसे अपनी सजा पूरी करनी पड़ती है। लालू प्रसाद ने अपने छोटे पुत्र तेजस्वी प्रसाद यादव को अपना उत्तराधिकारी बना दिया है।

तकनीकी तौर पर पार्टी में उनकी ही बात चलनी चाहिए। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता तो उसे ही मानेंगे जिनकी पीठ पर लालू प्रसाद का हाथ होगा। पर लालू परिवार में कई अन्य महत्त्वपूर्ण हस्तियां भी हैं। लालू प्रसाद की अनुपस्थिति में सबके बीच तालमेल बना कर रखने की चुनौती रहेगी। जानकार लोग बताते हैं कि यह कोई मामूली चुनौती नहीं है। इसलिए पार्टी के भीतर व विधायका में रोज-ब-रोज के काम कैसे सुचारू रूप से राजद चलाएगा, यह देखना दिलचस्प होगा। उधर जदयू से संबंध-विच्छेद के बाद राजद बिहार की राजनीति में लगभग अकेला पड़ गया है। यह अकेलापन अब अस्थायी नहीं लगता। क्योंकि नीतीश कुमार अब भाजपा का साथ नहीं छोड़ेंगे। क्योंकि उनकी फि लहाल कोई अखिल भारतीय महत्त्वाकांक्षा नहीं है। राजद का कांग्रेस से तालमेल बना रहेगा। भाजपा विरोध के नाम पर कम्युनिस्ट भी राजद के साथ आ सकते हैं। पर उनकी ताकत बहुत कम है। यानी राजद अब किसी मजबूत गठबंधन का अगुआ नहीं रहेगा।

लालू प्रसाद जेल से बाहर होते तो पार्टी और गठबंधन को मजबूत करने की कोशिश कर सकते थे। यानी कोई कमजोर पार्टी या गठबंधन अपनी पुरानी ''लालू शैली' की राजनीति नहीं चला सकती। लालू शैली की राजनीति तो लालू ही चला सकते थे।

इस दूसरी सजा के बाद लालू प्रसाद व राजद कितना कमजोर या मजबूत होकर उभरता है, यह देखना अहम होगा। राजद तो दावा कर रहा है कि अब राजद अधिक मजबूत होगा। क्योंकि अदालत ने डॉ. जगन्नाथ मिश्र को रिहा कर दिया और लालू को सजा दे दी। इसका संदेश पिछड़ी जनता में जरूर जाएगा। हालांकि 1996 में चारा घोटाले के प्रकाश में आने के बाद से ही लालू प्रसाद का जन समर्थन लगातार घटता चला गया है। इस बीच कभी उनके दल की सीटें बढ़ीं भी तो वह चुनावी गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों के सहयोग के बल पर न कि राजद की खुद की ताकत के कारण। सजा तो 2013 में हुई। जन समर्थन पहले ही घटना शुरू हो चुका था। सन 2013 में लालू प्रसाद को चारा घोटाला मामले में पहली बार सजा हो जाने के बाद राजद का जन समर्थन और भी घट गया। इस बार की सजा के बाद इस फैसले का राजनीतिक असर क्या होता है, यह देखना महत्त्वपूर्ण होगा। वैसे सामाजिक स्तर एम.वाई. गठबंधन आम तौर पर लालू प्रसाद के दल के साथ ही रहेगा। यह गठबंधन अन्य समुदायों में प्रतिक्रिया भी पैदा जरूर करता है। जहां भाजपा मुकाबले में हो, तब तो यह और भी अधिक। लालू परिवार में लालू के राजनीतिक उत्तराधिकार की समस्या राजद को आगे भी परेशान करती रहेगी। वैसे लालू प्रसाद ने अपने जिस पुत्र तेजस्वी प्रसाद यादव को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है, वे अपेक्षाकृत अधिक योग्य भी हैं। लालू प्रसाद कभी बिहार की राजनीति के महाबली थे। मंडल आरक्षण विवाद की पृष्ठभूमि में लालू के दल को 1991 के लोक सभा चुनाव में बिहार में 54 में से 31 सीटें मिली थीं।उनके सहयोगी दलों को भी कुछ सीटें मिली थीं। उन दिनों लगभग पूरा पिछड़ा समुदाय लालू के साथ था। 1990 में जब लालू प्रसाद मुख्यमंत्री बने थे तब उनके दल यानी जनता दल को बिहार विधान सभा में बहुमत प्राप्त नहीं था। भाजपा ने बहुमत की कमी को पूरा किया था। तब केंद्र में भी वीपी सिंह की सरकार भाजपा और कम्युनिस्ट के समर्थन से ही चल रही थी। पर 1995 के चुनाव में लालू प्रसाद को अकेले विधान सभा में बहुमत मिल गया। इसका पूरा श्रेय सिर्फ लालू को मिला था। यह ताकत उन्हें इस बात से आई क्योंकि उन्होंने कमजोर वर्ग यानी पिछड़ों को सीना तान कर चलना सिखाया था। पर उस काम के साथ-साथ लालू दूसरे कामों में भी लग गए थे, जो उनके लिए सकारात्मक नहीं रहा। लोक सभा चुनाव 1996 में हुआ था। उसमें भी बिहार में लालू के दल को 22 सीटें मिलीं। 1998 के लोक सभा चुनाव में भी लालू दल को 17 सीटें मिल गई थीं। पर राजद को 1999 के लोक सभा चुनाव में सिर्फ सीटें मिलीं। यानी जन समर्थन का क्षरण शुरू हो गया था। इस बीच 1997 में चारा घोटाले में विचाराधीन कैदी के रूप में लालू पहली बार जेल भी जा चुके थे। सन 2000 के बिहार विधान सभा चुनाव में लालू के दल को खुद का बहुमत नहीं मिला। पर कांग्रेस के समर्थन से राबड़ी देवी मुख्यमंत्री बनीं। इस बीच लंबा वक्त इसी सियासी उलट-पुलट में बीता। 2015 के विधान सभा चुनाव में कांग्रेस और नीतीश के साथ गठबंधन के कारण लालू को विधान सभा में सबसे अधिक सीटें (80) जरूर मिल गई, पर वे सीटें लालू की ताकत को प्रतिबिंबित नहीं करती। अब लालू प्रसाद का दल नीतीश के जदयू से अलग है। अब उन्हें किसी अगले चुनाव में कितनी सीटें मिलती हैं, यह देखना बाकी है। 2010 के बिहार विधान सभा चुनाव में लालू और राम विलास पासवान मिल कर चुनाव लड़े थे। उस चुनाव में इन्हें 243 सीटों में से सिर्फ 25 सीटें मिली थी। इसे एक संकेतक माना जा सकता है। इस बार एक और फर्क आया है।

लगभग पूरा लालू परिवार कानूनी परेशानियों में है। वैसे 2010 की अपेक्षा एक सकारात्मक फर्क जरूर आया है। कांग्रेस अब लालू के साथ मजबूती से रहेगी।

चलते चलते

इच्छाओं की अभिप्सा

हाल के वर्षो में संतों और बाबाओं ने जिस तरह की नीच और शर्मनाक हरकत से हिन्दू धर्म को कलंकित और देशवासियों को अचंभित किया है, वह कई मसलों पर गहन मंथन के लिए मजबूर करता है। संत, महात्मा दिव्य गुणों वाले होते हैं। उनकी दृष्टि जगत का कल्याण करने के बारे में ही सोचते-विचरते हैं। उनके जीवन की कोई लालसा, लिप्सा नहीं होती है।

हिन्दू धर्म में कतार से बाबाओं, संतों, महात्मा की भरमार है। और हर बाबा जनता के दुख-दर्द को खत्म करने और उनकी इच्छाओं-अभिप्सा को पूरा करने का स्वांग भी रचता है। लेकिन हाल के वर्षो में संतों और बाबाओं ने जिस तरह की नीच और शर्मनाक हरकत से हिन्दू धर्म को कलंकित और देशवासियों को अचंभित किया है, वह कई मसलों पर गहन मंथन के लिए मजबूर करता है। संत, महात्मा दिव्य गुणों वाले होते हैं। उनकी दृष्टि जगत का कल्याण करने के बारे में ही सोचते-विचरते हैं। उनके जीवन की कोई लालसा, लिप्सा नहीं होती है और न ही उनमें भौंडापन होता है। वो सहज और बेहद सरल होते हैं। उनमें न तो छल-कपट होता है न वैभव के प्रति आसक्ति। किंतु आज के समय के ज्यादातर बाबा अदभुत हैं। सद्विचार और योगी जीवन के सिद्धांत के बिल्कुट उलट। अधिकांश बाबा भोग विलास में आकंठ डूबे हुएहैं। इनके रोज नये-नये और हैरतअंगेज किस्से सामने आ रहे हैं। कोई धन-संपत्ति बनाने में तल्लीन है तो कोई हजारों लड़कियों से संबंध बनाने में ध्यान मग्न। समाज में जिसे बदलाव की अलख जगाने के लिए हजारों सालों से जाना जाता रहा हो, वह आज अपनी करतूतों, कारस्तानियों और कपटी चाल-चरित्र से रसातल की ओर जा रहा है। मगर यह सब कैसे हो रहा है? जनता कैसे इन प्रपंची, ढोंगी और धंधेबाज बाबाओं के मोहपाश में फंसती चली जा रही है? इसे समझने की जरूरत है। दरअसल, अनपढ़ और भोली जनता के हिस्से में अब तक उसके हिस्से की न तो सुविधा मिल सकी है न उसकी फरियाद को ताकतवर नेता तरजीह देते हैं। लिहाजा सिस्टम से सताए ऐसे लोग जिनकी तादाद हजारों-लाखों में है वह इन बाबाओं के शिकंजे में आसानी से आ जाते हैं। तंत्र की बेरुखी और बेदिली से आजिज जनता आसानी से इनके झांसे में आ जाती है। साथ ही सरकार को भी हर धार्मिक प्रतिष्ठानों से यह हलफनामा लेना होगा कि उनके यहां हर काम पारदर्शी ढंग से होता है। देखना होगा ऐसे मामलों में सरकार सख्त होती है या जनता समझदार!

फोटोग्राफी...

इन दिनों यूरोप के कई शहरों में का मौसम अलग देखने में आ रहा है। कहीं तूफान आ रहे हैं, तो कही बेमौसम बारिश के साथ-साथ आसमान में अलग-अलग रोशनी दिखाई दे रही है। इसी बीच, देर शाम इटली के प्रमुख पर्यटन शहर वेनि स पहुंचे अमेरिकी फोटोग्राफर ट्रे रेडक्लिफ ने यह दृश्य देखा और उसे कैमरे से क्लिक किया। उन्होंने इसके पहले भी वेनि स शहर की फोटो ग्राफी की है, लेकि न ऐसे दृश्य की उन्होंने कल्पना नहीं की थी। वे कहते हैं, आमतौर पर वेनिस में देर रात तक पर्यटक नौका विहार करते हैं, लेकिन इस वक्त कुछ नाविक ही थे जो शायद अपने कामकाज की बातें कर रहे थे। रात के वक्त कोहरे में डूबे वेनि स शहर का यह दृश्य दुर्लभ कहा जाता है, क्योंकि ऐसा मौसम वहां आमतौर पर नहीं होता है। Reddit.com

बदलते मौसम के बीच देर शाम कोहरे में डूबे वेनिस शहर का दुर्लभ दृश्य

गांवों से पलायन

सन् 1947 में ''हिन्द स्वराज्य' के बाद बापू ने जन-जन के बीच आजादी का अहासस कराने के लिए देश के गांवों में ''ग्राम स्वराज्य' लाने का आह्वान किया था। उनका कहना था कि हिन्दुस्तान अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ है, अब आगे देश के लाखों गांव इतने स्वावलंबी बन जाए कि उन्हें बाहर का मुंह न ताकना पड़े। निश्चित ही यह बात योजनाकारों को कोरी लगती होगी, जिसके कारण 12वीं पंचवर्षीय योजना तक लाखों गांवों को शहरों में बदल दिया गया है। केवल इतना ही नहीं, विस्थापन जनित विकास के नाम पर हजारों गांव के नाम भी मानचित्र से गायब हो गए हैं। पिछले कई वर्षो से रोजगार, शिक्षा और जन सुविधाओं की कमी के कारण भी गांवों से पलायन अधिक तादाद में हो रहा है। माना जाता है कि इसमें अधिकांश लोग अपने घरों में आना-जाना करते हैं। लेकिन इनमें बाल मजदूर और उन गरीबों की संख्या अधिक है, जो अपना घर चलाने के लिए नमक-तेल के खर्चे के लिए होटल, ढाबों और ठेलियां लगाकर काम करते हैं। बाकी 10-15 प्रतिशत लोग गांव छोड़कर जहां जाते हैं, वहीं अपना घर बनाकर रहने लगते हैं। इसमें भी उनकी संख्या अधिक है, जिन्हें अपने परिवार का जीवन चलाने के लिए पर्याप्त सुविधा मिल रही है, इस श्रेणी में नेता, नौकरशाह और व्यवसायी लोग अधिक हैं। देश भर में इस समय लगभग 25 हजार गांव-शहरों का हिस्सा बन रहे हैं। अकेले उत्तराखण्ड जैसे छोटे राज्य में ही वर्ष 2017 के अंत तक 1000 गांव-शहरों व नगर निकायों में शामिल किए गए हैं, जबकि यहां पर ग्राम्य विकास और पलायन आयोग का गठन ही इसलिए किया गया है कि गांव से शहरों में हो रहे पलायन को रोका जाएगा। इसी राज्य में 2500 ऐसे गांव हैं, जहां सरकारी स्कूलों में पढ़ने के लिएबच्चे ही नहीं है। लोग नौकरी पेशा और असुविधाओं के कारण गांव छोड़कर शहरों में निवास करने लगे हैं। यद्यपि बिजली और सड़क गांव में तेजी से पहुंच रही है, पाइपलाइनें भी हैं, लेकिन अधिकांश गांवों में पानी नहीं है। जिसके कारण नौकरीपेशा लोग वापस गांव में जाना पसंद नहीं करते हैं। उनकी बात जाने भी दें तो ''गांव बचाओ' का नारा देने वाले या उसका आह्वान करने वाले नेता भी गांव जाना पसंद नहीं करते। उन्होंने भी अपने घर शहरों में बना लिये हैं। जब तक वे अपने गांव में नहीं लौटते हैं, गांव कैसे बचेंगे। उत्तराखण्ड के नगर निकायों में शामिल हुए गांव के लोग भारी संख्या में सड़कों पर आकर विरोध कर रहे हैं। यहां लोगों की मांग है कि उनके गांव को स्वतंत्र ही रहने दिया जाए। वे गांव में उन सुविधाओं की मांग कर रहे हैं, जिसकी कमी के कारण लोग शहरों में पलायन करते हैं। यह शहरों में जमा हो रही आबादी को सचेत होने का समय भी है कि जब लोग गांव में ही रहना पसंद कर रहे हैं। नगरों का विस्तारीकरण करने के लिए गांवों का अधिग्रहण ऐसे वक्त में हो रहा है, जब नदियों में गंदगी पैदा करने के जिम्मेदार भी नगरीय सभ्यता है। गांवों के साथ भी यही बात है। वर्तमान विकास मॉडल कहीं-न-कहीं शहरीकरण की बुनियाद पर खड़ा हो रहा है। इस दौड़ में सभी राज्यों के प्रस्ताव बताने के लिए काफी है कि वे शहरीकरण के नाम पर स्मार्ट सिटी का प्रस्ताव तो भेज रहे, लेकिन मौजूदा गांव को ग्राम स्वराज्य की बुनियाद पर खड़ा नहीं कर पा रहे हैं। आखिर गांधी को किस रूप में याद करेंगे,जबकि असली रामराज्य तो गांव से ही आना था। वह कहते भी थे कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। बापू के प्रति सही श्रद्धांजलि यही होगी कि गांवों को भी आबाद रखा जाए।

अपमान जनक टिप्पणी के विरोध में शिवसैनिकों ने सलमान का फूंका पुतला

बाराबंकी (ईएमएस)। बाल्मीकि समाज के प्रति फिल्म अभिनेता सलमान खान व अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी द्वारा की गयी अपमान जनक टिप्पणी के विरोध में शिवसेना व अखिल भारतीय बाल्मीकि महासभा के कार्यत्राओं ने नगर के सन्तोषी माता मन्दिर पीरबटावन से जुलूस निकालकर छाया चैराहे पर पुतला फूंककर विरोध जताया और पोस्टर भी जलायें तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग भारत सरकार के अध्यक्ष को सम्बोधित ज्ञापन दिया। इस अवसर पर शिवसेना जिला महासचिव आलोक बाल्मीकि ने कहा कि सलमान खान व शिल्पा शेट्टी द्वारा की गयी असंसदीय टिप्पणी व भाषा से बाल्मीकि समाज के सम्मान को ठेस पहुँची है। जब तक सलमान खान व शिल्पा शेट्टी माँफी नहीं मागतें और मुकदमा नहीं दर्ज होता है तब तक आन्दोलन चलता रहेगा। शिवसेना जिला प्रमुख मनोज विद्रोही ने कहा कि बाल्मीकि समाज हिन्दू समुदाय का महत्वपूर्ण अंग है। सलमान खान व शिल्पा शेट्टी ने अशोभनीय टिप्पणी कर अक्षम्य अपराध किया है। इसके लिए दोनों को सार्वजनिक रूप से माँफी मांगनी चाहिए। इस अवसर पर पवन पाण्डेय, दीपक कुमार बाल्मीकि, शिवा बाल्मीकि, देशराज गौतम, दीपू बाल्मीकि, अजय बाल्मीकि, राहुल बाल्मीकि, सुमेश बाल्मीकि, रंजीत बाल्मीकि समुदाय के सैकड़ो नागरिक उपस्थित थे।

निशांत को मिला देश सेवा का मौका, फाइटर पायलट बना

लखनऊ (ईएमएस)। कहते है कि देश सेवा का जज्बा अगर मन में हो तो उस इंसान को देश सेवा करने से कोई नहीं रोक सकता है। कुछ ऐसा ही जज्बा निशांत में था। जिसके कारण वहां आज फाइटर पायलट बना चुका है। दरअसल लखनऊ के इंदिरानगर निवासी संजय श्रीवास्तव का बेटा निशांत श्रीवास्तव वायु सेना में कमीशंड होकर फाइटर पायलट बना है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) खड़कवास्ला,पूना में तीन साल की ट्रेनिंग पूरी करके निशांत ने एक साल की फ्लाइट की ट्रेनिंग पूरी कर ली है।16 दिसंबर को उसकी पासिंग आउट परेड हुई है।निशांत के इस जज्बे के बारे में पिता संजय ने बताया कि वह शुरू से ही पढ़ने में काफी तेज था।हाईस्कूल और इंटर में प्रथम श्रेणी में पास हुआ है। सेंट्रल एकेडमी इंदिरानगर से12वीं पास करने के बाद बीआईटी मेसरा,रांची से बीटेक की पढ़ाई भी कर रहा था। देश सेवा करना उसके मन में था ही इसके कारण ही उसने एनडीए दिया और सफलता पाई। निशांत में बचपन से ही देश सेवा का जज्बा था। वह जब खेलता था तो उसमें भी उसकी प्राथमिकता बंदूक और हेलीकॉप्टर वाले खिलौने होते थे।

बाटी-चोखा कच्चा वोट, दारू-मुर्गा पक्का वोट: राजभर

बलरामपुर (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर एक बार फिर अपने बयान को लेकर विवादों में हैं। अपनी ही सरकार पर सवाल उठाने वाले राजभर ने इस बार वोटरों को लुभाने वाले नेताओं के चुनावी हथकंडों पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि वोटरों को दारू पिलाने और मुर्गा खिलाने से वोट पक्का हो जाता है। उन्होंने कहा, बाटी-चोखा कच्चा वोट, दारू-मुर्गा पक्का वोट। इस जुगलबंदी को राजभर ने तफ्सील से समझाया भी। उन्होंने कहा, सारे गरीब दारू पीकर, मुर्गा खाकर वोट देते हैं और दिल्ली, लखनऊ जाने वाले नेता पांच साल उन्हें मुर्गा बनाकर घुमाते हैं। बता दें कि योगी सरकार में मंत्री होने के बावजूद राजभर अकसर सार्वजनिक मंचों से बीजेपी पर हमलावर नजर आते हैं। हाल ही में संपन्न हुए निकाय चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कहा था कि जो लोग वोट पाने के लिए शराब बांट रहे हैं, उनसे पेटी लेकर रख लो और बाद में कह देना कि शराब से नशा ही नहीं हुआ। हाल ही में उन्होंने यह भी कहा था कि जो लोग अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजेंगे, उन्हें जेल भेजा जाएगा। वह सीधे योगी सरकार पर भी वार कर चुके हैं।

नक्शे के अनुसार निर्माण न होने पर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सील किया जाये

बुलंदशहर(ईएमएस)।जिलाधिकारी डॉ रोशन जैकब ने बीडीए के सचिव को निर्देशित करते हुए कहा है कि बुलन्दशहर नगर में डीएम रोड पर स्थित बैंक,डेयरी,होटल आदि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा अपने नियत पार्किंग स्थल पर ही पार्किंग कराये जाने तथा ग्राहक वाहनों को रोड साईड में व्यवस्थित रूप से पार्क कराने के लिए अपने निजी सुरक्षाकर्मी तैनात किये जाने के लिए उनके द्वारा पूर्व में निर्देश दिये गये थे लेकिन प्राय:यह देखा जा रहा है कि अभी तक इन प्रतिष्ठानों द्वारा इस सम्बन्ध में पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं की गई है जिसके कारण इस मार्ग पर यातायात बाधित हो रहा है तथा आमजन को आवागमन में अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस रोड़ पर कतिपय लोगों द्वारा स्वीकृत मानचित्र के विपरित अवैध निर्माण किये जाने,सड़क की पटरी पर अस्थाई निर्माण द्वारा अतिक्रमण एवं वाणिज्यिक व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा निजी पार्किंग स्थल न छोड़े जाने की वजह से भी समस्या उत्पन्न हो रही है।जिलाधिकारी ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए ऐसे सभी लोगों जिन्होंने सैट बैक छोड़े बिना स्वीकृत मानचित्र के अतिरिक्त निर्माण किये गये है उनको नोटिस जारी करते हुए उनके द्वारा किये गये अतिरिक्त अवैध निर्माण को ध्वस्त करने एवं सील करने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिये ।

शाहजहांपुर में आसाराम, बेटी समेत दस लोगों के खिलाफ रिपोर्ट

शाहजहांपुर (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में बलात्कार के आरोपी आसाराम, उनकी बेटी और दस अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला आसाराम पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली लड़की के पिता की ओर से दर्ज कराया गया है। पुलिस अधीक्षक (नगर) दिनेश त्रिपाठी ने 24 दिसंबर को शाहजहांपुर में बताया कि गत 22 दिसम्बर को शहर में अखबारों के अलावा एक पत्रिका का वितरण किया गया था जिसमें दावा किया गया था कि आसाराम पर दुष्कर्म के सभी आरोप गलत हैं। उन पर लगे आरोप साजिशन किए गए हैं। इसके बाद आसाराम पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली लड़की के पिता ने कहा कि आसाराम जेल में बंद हैं, लेकिन इसके बाद भी वह अपने गुर्गों के जरिए उनके परिवार को खत्म कराना चाहते हैं। अखबार और पत्रिका बांट कर जो दावे किए गए हैं, वे पूरी तरह गलत हैं। यह उनके परिवार के खिलाफ भड़काऊ गतिविधि है। आसाराम के गुर्गों की इस हरकत के बाद उनका परिवार डरा हुआ है।लड़की के पिता की तहरीर पर आसाराम, उनकी बेटी भगवान भारती, अर्जुन, राघव, अजय, हरेंद्र, के सी श्रीवास्तव, देवपाल, सत्यवीर, आशीष, पिंटू तथा घनश्याम समेत 12 आरोपियों पर कल रात भारतीय दण्ड विधान की धारा 147 (बलवा) और 506 (धमकाना) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया। लड़की के पिता का कहना है कि चूंकि अब आसाराम प्रकरण में फैसला आने वाला है इसलिए उनके गुर्गों की गतिविधियां काफी बढ़ गई हैं। इसी वजह से उन पर जम्मू तथा जोधपुर में फर्जी मुकदमें दर्ज कराए गए हैं। उनका कहना है कि शाहजहांपुर स्थित रुद्रपुर में कथावाचक आसाराम का आश्रम है। वहीं से उनके गुर्गे गतिविधियों का संचालन करते हैं। ऐसे में आश्रम को तत्काल ही बंद करा दिया जाना चाहिए। वह पहले भी कई बार प्रशासन से इसकी मांग कर चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गयी। आसाराम के गुर्गों की इस हरकत के बाद उनका परिवार डरा हुआ है।लड़की के पिता की तहरीर पर आसाराम, उनकी बेटी भगवान भारती, अर्जुन, राघव, अजय, हरेंद्र, के सी श्रीवास्तव, देवपाल, सत्यवीर, आशीष, पिंटू तथा घनश्याम समेत 12 आरोपियों पर कल रात भारतीय दण्ड विधान की धारा 147 (बलवा) और 506 (धमकाना) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया। कोतवाली पुलिस स्टेशन के एसएचओ अशोक पाल ने कहा कि शिकायत के मुताबिक पीड़िता के पिता को आसाराम के आदमियों से मौत की धमकी मिल रही है, शिकायत के मुताबिक यदि पीड़िता या उसके पिता को कुछ होता है तो इसके लिए आसाराम के गुर्गे जिम्मेदार होंगे।

लालू के सर्मथकों ने कहा पिछड़ी जाति के हैं इसकारण निशाने पर लालू

सुशील ने ट्वीट कर दिया जबाव

पटना (ईएमएस)। बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के जेल जाने के बाद अब फिर से राजनीति बयानबाजी का दौर शुरु हो चुका है। सोमवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी पर लालू प्रसाद और उनके समर्थकों पर प्रहार किया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वह पिछड़ी जाति हैं। रांची की एक विशेष सीबीआई अदालत ने चारा घोटाला मामले में प्रसाद और 15 अन्य को शनिवार को दोषी ठहराया जबकि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्रा समेत छह अन्य व्यक्तियों को बरी कर दिया। इस बीच बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील ने ट्वीट किया,खजाने से 89.4 लाख रुपये अवैध रुपये निकालने के मामले में दोषी ठहराये जाने पर लालू प्रसाद भ्रष्टाचार को लेकर सातवीं बार जेल गये हैं। लेकिन वह अपनी तुलना नेल्सन मंडेला और मार्टिन लूथर किंग

जैसे नेताओं से कर रहे हैं। वह राजद सुप्रीमो को शनिवार को दोषी ठहराये जाने के शीघ्र बाद उनके द्वारा किये गये इस ट्वीट की ओर इशारा कर रहे थे कि,यदि नेल्सन मंडेला,मार्टिन लूथर किंग,बाबा साहब अंबेडकर जैसे लोग अपने प्रयासों में विफल हो जाते तो इतिहास उन्हें खलनायक समझता। वे अब भी पक्षपाती,नस्लवादी और जातिवादी मानसिकता वालों के लिए खलनायक हैं। किसी को भी भिन्न बर्ताव की आस नहीं करनी चाहिए। '' वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा,आश्चर्य है कि ऐसे लोगों द्वारा किस प्रकार का नेतृत्व प्रदान किया जाता है जो खुलेआम अपनी प्रशंसा और अवैध संपत्ति अर्जित करने में लगे रहते हैं।चारा घोटालों में विभिन्न याचिकाकर्ताओं में सुशील मोदी एक हैं। उन्हीं की याचिका पर पटना उच्च न्यायालय ने 1996 में चारा घोटाला मामले की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। सुशील मोदी ने कहा,जो 16 लोग दोषी ठहराये गये हैं, उनमें आठ (50 फीसदी)ऊंजी जातियों के हैं। बरी किये गये लोगों में चार (50फीसदी)दलित या पिछड़े वर्ग हैं। क्योंकि वह पिछड़ी जाति हैं। रांची की एक विशेष सीबीआई अदालत ने चारा घोटाला मामले में प्रसाद और 15 अन्य को शनिवार को दोषी ठहराया जबकि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्रा समेत छह अन्य व्यक्तियों को बरी कर दिया। इस बीच बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील ने ट्वीट किया,खजाने से 89.4 लाख रुपये अवैध रुपये निकालने के मामले में दोषी ठहराये जाने पर लालू प्रसाद भ्रष्टाचार को लेकर सातवीं बार जेल गये हैं। राजद समर्थक इन तथ्यों से मुंह मोड़ रहे हैं और न्यायपालिका पर जातिवादी होने का आरोप लगा रहे हैं। मोदी ने राजद उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी पर भी प्रहार किया। तिवारी उच्च न्यायालय में दायर की गयी जनहित याचिका में सह याचिकाकर्ता हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार के जदयू से निष्कासन के बाद तिवारी ने सक्रिय राजनीति से संन्यास की घोषणा की थी लेकिन वह हाल ही में राजद से जुड़ गये।

विधानसभा निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन 26 दिसम्बर को

श्रावस्ती(ईएमएस)। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2018 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षप्ति पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाये जाने के उद्देश्य से आयोग द्वारा निर्धारित समयसारिणी के अनुसार 26 दिसम्बर 2017 को निर्वाचन नामावली का आलेख्य प्रकाशन कर दिया जायेगा।उक्त जानकारी जिलाधिकारी दीपक मीणा ने दिया है।उन्होने बताया कि जो व्यक्ति 01 जनवरी 2018 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे है अथवा 18 वर्ष पूरे कर चुके है उनके नाम फोटोयुक्त मतदाता सूची में दर्ज किये जाये।फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन दिनांक 26 दिसम्बर 2017 को किया जायेगा तथा आलेख्य प्रकाशन की अवधि में सभी मतदान केन्द्रों पर नियुक्त पदाभिहित अधिकारी द्वारा दावे तथा आपत्तियॉ 31 जनवरी 2018 तक प्राप्त की जायेगी।सम्बन्धित तहसील व मतदाता पंजीकरण केन्द्र में भी दावे तथा आपत्तियॉ प्राप्त करा सकते है।इस सम्बन्ध में दिनांक 30 दिसम्बर,15 जनवरी,एवं 29 जनवरी को ग्राम सभा व स्थानीय निकायों आदि में बैठके आयोजित कर मतदाता सूची को पढ़ा जायेगा और नामों का सत्यापन किया जायेगां।जिलाधिकारी ने बताया कि 31 दिसम्बर,07 जनवरी एवं 21 जनवरी तथा 28 जनवरी राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेबल एजेण्टों के साथ पदाभिहित स्थलों (मतदेय स्थल) पर दावे तथा आपत्तियॉ प्राप्त की जायेगी।दावे तथा आपत्तियों का निस्तारण 08 फरवरी 2018 तक किया जायेगा तथा फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का अर्नतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2018 को किया जायेगा।जिलाधिकारी ने बताया कि 289-भिनगा विधान सभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 358330 है। मतदेय स्थलों की संख्या 432 व मतदान केन्द्रों की संख्या 231 है।290-श्रावस्ती विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में वर्तमान में मतदाताओं की संख्या 380979 है तथा मतदेय स्थलों की संख्या 470 व मतदान केन्द्रों की संख्या 262 हैं।

कार्यकर्ता अपना मनोबल ऊंचा रखें: राबड़ी

पटना (ईएमएस)। सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा चारा घोटाला मामले में लालू प्रसाद को दोषी करार दिये जाने के बाद उनकी पत्नी एवं बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने तथा मनोबल ऊंचा रखने की अपील की है। उन्होंने अपने पति के स्वास्थ्य पर चिंता भी जाहिर की। उन्होंने कहा, हमें अदालत के फैसले का सम्मान करना चाहिए। बिहार और देश के अन्य हिस्सों में हमारे कार्यकर्ताओं को शांति बनाए रखनी चाहिए और वह निरूत्साहित नहीं हों। उन्होंने कहा, कार्यकर्ताओं को यह याद रखना चाहिए कि भगवान के घर देर है अंधेर नहीं। राबड़ी ने कहा, हम आश्वस्त थे कि लालू बरी हो जायेंगे। वह दिल के मरीज हैं, जिनका एक बड़ा आपरेशन हुआ है। उनकी चिकित्सा स्थिति के बारे में हमने अदालत को अवगत करवा दिया है। लालू किसी व्यक्ति का नाम नहीं है, वह एक विचारधारा हैं। उन्हें न्याय मिलेगा और वह जल्दी ही जेल से बाहर आएंगे। गौरतलब है कि चारा घोटाला मामले में दोषी करार दिये जाने के बाद लालू को रांची जेल भेज दिया गया है। तीन जनवरी को सजा का एलान होगा। राजद उपाध्यक्ष रघुवंश प्रसाद सिंह और लालू के छोटे बेटे तेजस्वी रांची में हैं।

दरभंगा और पूर्णिया में बनेगा नए हवाई अड्डे: नीतीश

पटना (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घोषणा की कि राज्य के दो उत्तरी जिलों दरभंगा और पूर्णिया में नए हवाई अड्डे विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य के लिए राज्य सरकार केंद्र को जमीन देने के लि प्रतिबद्ध है। नीतिश कुमार ने रविवार को अखिल भारतीय मिथिला संघ की स्वर्ण जंयती पर तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की। इसमें केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह और लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने भी शिरकत की। इस मौके पर कुमार ने कहा नए हवाई अड्डे दरभंगा और पूर्णिया में विकसित किए जाएंगे। हम मिथिला क्षेत्र के विकास तथा इसकी भाषा,कला,संस्कृति और समृद्ध इतिहास के प्रचार करने की हर संभव कोशिश करने की तैयारी में जुट गई है। पटना हवाई अड्डे के नए टर्मिनल की छत पर मैथिली (मधुबनी) पेंटिंग लगी होगी। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने छोटे शहरों को हवाई सेवा से जोड़ने तथा आम लोगों को भी विमान यात्रा मुहैया कराने के उद्देश्य से हाल ही में उड़ान सेवा की शुरुआत की है। हालांकि,यह स्पष्ट नहीं है कि पूर्णिया और दरभंगा हवाई अड्डे इस योजना के अंतर्गत आने वाले हैं कि नहीं। इस योजना के तहत एक घंटे की उड़ान के लिए अधिकतम 2,500 रुपये किराया रखने की इजाजत है। योजना के पहले चरण में पांच विमानन कंपनियों को 128 मार्गों पर सेवाएं देने की अनुमति मिली है।

नोएडा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नायक।

मुख्यमंत्री हेल्प लाइन 1076 की बारीकियो से अवगत कराने हेतु कार्यशाला आयोजित

देवरिया(ईएमएस)। जिलाधिकारी सुजीत कुमार के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया,जिसकी अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार त्यागी ने किया।इस दौरान एन्टी भू माफिया बेव पोर्टल की भी जानकारी दी गयी।शिकायतो के शीघ्रता व समयबद्वता के निस्तारण हेतु एक नई पहल की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री हेल्प लाइन 1076 लागू की गयी है। इस हेल्प लाइन पर प्राप्त शिकातयो का निस्तारण संबंधित स्तर एल-1 पर सबसे पहले भेजा जायेगा। समस्याओ के निस्तारण हेतु एल-1 से लेकर एल-4 तक की व्यवस्था बनायी गयी है। इस पहल में यह नई व्यवस्था की गयी है कि अब समस्या सबसे पहले निस्तारित करने वाले नीचले स्तर पर भेजी जायेगी तथा सभी स्तरो का फीडबैक भी रखा जायेगा तथा उच्च स्तर के अधिकारी द्वारा उसका अनुश्रवण भी किया जायेगा।मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अधिकारियों व कमचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे इस नई व्यवस्था के तहत अपने लागिन पॉसवर्ड से नियमित रुप से शिकायतो का अनुश्रवण करते रहे और प्राप्त शिकायतो का त्वरित निस्तारण भी करते रहे। उन्होने यह भी कहा कि जिन अधिकारियों का आईजीआरएस के तहत लागिन पासवर्ड उपलब्ध है उन्हे छोडकर अन्य अधिकारी जो निस्तारण स्तरीय अधिकारी नामित है वे लागिन पासवर्ड एनआइसी से अवश्य ही प्राप्त कर लेइस दौरान एन्टी भूमाफिया पोर्टल की बारीकियो की भी जानकारी दी गयी।

महादेवा महोत्सव के आयोजन के लिए हुआ सद्बुद्धि हवन राजू भइया ने मुख्यमंत्री योगी से की महोत्सव आयोजन की मांग, एसडीएम से हुई वार्ता

बाराबंकी (ईएमएस)। बहुप्रसिद्ध परंपरागत महादेवा महोत्सव के आयोजन के स्थगित होने के विरोध में आज महादेवा महोत्सव हो इसके लिए तमाम शिव भक्तों ने सामाजिक कार्यकर्ता राजू भैया के नेतृत्व में सद्बुद्धि हवन किया। इस मौके पर श्री भैया ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से यह मांग की कि महादेवा महोत्सव का आयोजन अभिलंब करवाया जाए। बाराबंकी जनपद के रामनगर विधानसभा क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध श्री लोधेश्वर महादेव दरबार में हर वर्ष होने वाले महादेवा महोत्सव को लेकर आज मंदिर परिसर में सामाजिक कार्यकर्ता कृष्ण कुमार द्विवेदी राजू भैया के नेतृत्व में सद्बुद्धि हवन पूजन किया गया। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता राजू भैया ने मौके पर पहुंचे उप जिलाधिकारी रामनगर से भी वार्ता की और उनसे कहा कि वह शिवभक्तों तथा क्षेत्र वासियों की इस पुनीत भावना से प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन को अवगत कराएं। नवागत एसडीएम ने श्री भैया सहित शिव भक्तों को आश्वासन दिया कि वह इस पूरे मामले को गंभीरता से देखेंगे और जो भी संभव हो सकेगा उसका प्रयास भी करेंगे।

अर्हता तिथि के आधार पर पुनरीक्षण के सम्बन्ध में हुई बैठक

चंदौली(ईएमएस)। उप जिला निर्वाचन अधिकारी बच्चा लाल की अध्यक्षता में कलेक्टेट सभागार में अर्हता तिथि के आधार पर पुनरीक्षण के सम्बन्ध में बैठक हुई।बैठक में बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षप्ति पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान अर्हता तिथि 01-01-2018 के आधार पर समस्त अर्ह नागरिक निर्वाचक नामावली में पंजीकृत हो जाये एवं निर्वाचक में दर्ज नाम, पता,आयु एवं अन्य प्रविष्टियों में विद्यमान त्रुटियों को दुर करने हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आपके सक्रिय सहयोग हेतु महाविद्यालयों के प्राचार्यों को अपने-अपने महाविद्यालयों में उपरोक्त कार्यक्रम हेतु बृहद प्रचार-प्रसार-बच्चों की रैलियां,दौड़ प्रतियोगिता,भाषण,निबन्ध,नुक्कड़ नाटक इत्यादि के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करायें जाने के निर्देश दिये।साथ ही यह भी निदेर्शित किया कि अर्हता तिथि 01-01-2018 के आधार पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले महाविद्यालय के छात्र व छात्राओं का नाम जिनका मतदाता सूची में पंजीकृत नही है,उनके फार्म-6 भरवाये जाय।वही अधिकारियों को सुनियोजित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम का आयोजन कराया जाय। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि महाविद्यालयों में स्वीप कोआर्डीनेटर एवं कैम्पस अम्बेसडर नियुक्त किया जाय। इसके लिए एक अलग कक्ष का भी निर्धारण किया जाय,ताकि फार्म आदि भरने में किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई न हों। कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रति वर्ष की भॉती इस वर्ष भी 25 जनवरी, 2018 को मतदेय स्थलों पर,विद्यालयों व महाद्यिालयों, विकास खण्ड कार्यालय,तहसील कार्यालय एवं जनपद स्तरीय समस्त कार्यालयों पर राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया जाना है।

आलेख्य 26 दिसम्बर को व अनंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को

हरदोई(ईएमएस)। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षप्ति पुनरीक्षण कार्यक्रम संसोधित के उपरान्त बूथ लेबिल अधिकारियों के माध्यम से घर-घर भ्रमण करते हुये विशेष अभियान का कार्यक्रम 26 दिसम्बर 2017 से 31 जनवरी 2017 तक किया जायेगा। उन्होने बताया कि आयोग द्वारा इस हेतु पूर्व में निर्धारित तीन सप्ताह के कार्यक्रम को बढ़ाते हुये 05 सप्ताह कर दिया है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि संसोधित कार्यक्रम के अनुसार अब आहर्ता तिथि 01.01.2018 के आधार पर होने वाले विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 26 दिसम्बर को तथा अनंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2018 को किया जायेगा।

क्रांति समय

शहर भाजपा ने मनाया अटलजी का 93वां जन्म दिन

गायत्री हवन कर की वाजपेयी के दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना

संवाददाता, सूरत। शहर के उधना क्षेत्र में शहर भाजपा अध्यक्ष नितिन भजियावाला के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री और पार्टी के प्रणेता, व भारत रत्न अटलबिहारी बाजपेयी का 93वां जन्म दिन गायत्री हवन कर पार्टी के पदाधिकारियों ने मनाया।

सोमवार को सुबह 9.00 बजे उधना में स्थित पं.दीनदयाल भवन भाजपा कार्यालय में वाजपेयीजी के 93वें जन्म दिन के अवसर पर गायत्री हवन कार्य क्रम का आयोजन किया गया। जहां हजारों कार्यकर्ता एकत्रित होकर अटलजी के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

शहर भाजपाअध्यक्ष नितिन भजिया, संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने उन्हें मंगल कामनाएं भेजी। कार्यक्रम दौरान शहर भाजपा अध्यक्ष नितिन भजियावाला, सांसद दर्शना जरदोश, प्रदेश मंत्री दर्शिनी कोठिया, शहर महामंत्री मदनसिंह आटोदरिया सहित कई पदाधिकारी और भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मिठाई खिलाकर केशुभाई से आर्शीवाद लिए मोदी के 'राम-लखन' ने

26 दिसंबर को होना हैं शपथ ग्रहण समारोह

अहमदाबाद (ईएमएस) । गुजरात के सियासत में फिर काबिज होने वाली भाजपा अब सियासी गणित को सुधारने में जुट गई है। इसकारण ही गुजरात की सियासत में विजय रूपाणी और नितिन पटेल मोदी के 'राम-लखन' माने जाते हैं। इन दोनों नेताओं ने शपथ ग्रहण से एक दिन पहले सोमवार को गुजरात में बीजेपी के पहले मुख्यमंत्री रहे केशुभाई पटेल से आशीर्वाद लिया। हालांकि 2012 के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद नरेंद्र मोदी ने भी जाकर केशुभाई पटेल को मिठाई खिलाई थी। मोदी की तर्ज पर रूपाणी और नितिन पटेल के केशुभाई के पास जाने के पीछे सियासी मायने छिपे हैं। बता दें कि 22 सालों में ये पहली बार है कि जब बीजेपी को गुजरात में 100 सीटों से कम मिली हैं। बीजेपी को राज्य की 182 सीटों में से 99 सीटें मिली हैं। बीजेपी को सबसे बड़ा झटका सौराष्ट्र क्षेत्र में लगा है। सौराष्ट्र क्षेत्र की 54 सीटों में से बीजेपी को 25 सीटें मिली हैं। जबकि कांग्रेस को 29 सीटें मिली हैं। दरअसल सौराष्ट्र बीजेपी का दुर्ग माना जाता है। बीजेपी 1995 में सत्ता में जब पहली बार आई थी,तो सौराष्ट्र क्षेत्र से 44 सीटें जीती थीं। इसके बाद से सौराष्ट्र बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाने लगा। सौराष्ट्र में बीजेपी की जड़ें जमाने का काम केशुभाई पटेल ने किया। 1995 से लेकर 2012 तक ये क्षेत्र बीजेपी के लिए गढ़ साबित होता रहा है,लेकिन इस बार कांग्रेस इस किले को भेदने में काफी हद तक सफल रही है। इसकारण फिर से कुशभाई के पास जाकर अपना गढ़ मजबूत करना बीजेपी के लिए जरुरी है। हाल के दिनों में हुए विधानसभा चुनाव में सौराष्ट्र से बीजेपी की सीटें घटना पार्टी के लिए चिंता का सबब है। इसी चिंता को देखते हुए मोदी के 'राम-लखन' माने जाने वाले विजय रूपाणी और नितिन पटेल ने केशुभाई के दर पर जाकर दस्तक दी है। विजय रूपाणी सौराष्ट्र के राजकोट से ही विधायक बने हैं। इस बीच उनके क्षेत्र में सीटें कम होने पर उनकी चिंता लाजमी है। मोदी की तर्ज पर रूपाणी और नितिन पटेल के केशुभाई के पास जाने के पीछे सियासी मायने छिपे हैं। बता दें कि 22 सालों में ये पहली बार है कि जब बीजेपी को गुजरात में 100 सीटों से कम मिली हैं। बीजेपी को राज्य की 182 सीटों में से 99 सीटें मिली हैं। बीजेपी को सबसे बड़ा झटका सौराष्ट्र क्षेत्र में लगा है। सौराष्ट्र क्षेत्र की 54 सीटों में से बीजेपी को 25 सीटें मिली हैं। खासकर तब जबकि वो नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को तौर पर राज्य के मुख्यमंत्री के सिंहासन पर दोबारा विराजमान होने जा रहे हैं, वहीं नितिन पटेल दोबारा से डिप्टी सीएम की कमान हाथ में आ चुकी है। बीजेपी केशुभाई पटेल के जरिए सौराष्ट्र में खिसके जनाधार को वापस लाने की जुगत में है। दोनों नेताओं की केशुभाई से मुलाकात इसी मायने में निकाली जा रही है। वैसे विजय रूपाणी ने अपने नामांकन से पहले भी केशुभाई पटेल के पास जाकर उनका आशीर्वाद लिया था। अब सत्ता में वापसी के बाद दोबारा उनके दरबार में दस्तक दी है। इसके पीछे सीधे तौर पर सौराष्ट्र के बिगड़े सियासी समीकरण को सुधारने की मंशा देखी जा रही है। क्योंकि 18 महीने के बाद लोकसभा का चुनाव है। ऐसे में ये कदम पटेलों की नाराजगी दूर करने की दिशा में भी समझा जा सकता है। गुजरात में आज भी केशुभाई पटेल अपने समुदाय के भीष्म पितामाह माने जाते हैं। ये अलग बात है कि उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को समाज का उतना सपोर्ट नहीं मिला।

कतारगांव में झोपड़ों का डिमोलेशन करने गए पालिका कर्मियों पर पथराव

संवाददाता, सूरत। कतारगांव जोन में वाटर वर्क्स के बगल में ट्रीटमेंट प्लांट की जगह में बनाए गए 780 झोपड़ों को हटाने गई पालिका टीम पर स्थानीय लोगों ने पथराव कर दिया। इस 75200 वर्ग मीटर जमीन की कीमत करीब 450 करोड़ रुपए है। यहां की बस्ती काफी बड़ी होने से करीब तीन जोन का स्टाफ काम पर लगा था। स्थानीय लोगों द्वारा विरोध करने पर पुलिस को बुलाने की नौबत पड़ी।

कतारगांव तापी के किनारे वाटर वर्क्स के बगल ट्रीटमेंट प्लांट के लिए आरक्षित जगह में करीब 780 झोपड़े अवैध रूप से बनाए गए हैं। इसको खाली करने के लिए कतारगांव, रांदेर और सेंट्रल जोन का स्टाफ स्थल पर डिमोलेशन करने गया तो स्थानीय लोग एकत्र होकर टीम पर पथराव करने लगे। पहले तो पालिका के सिक्युरीटी स्टाफ ने मोर्चा संभाला। लेकिन बड़ी तादाद में लोगों की भीड़ और भी बेकाबू हो गई। स्थानीय लोगों के तेवर को देखते हुए पालिका अधिकारियों ने तत्काल पुलिस को सूचित कर दिया। जिससे पुलिस मौके पर आकर स्थिति को संभाल लिया। इसके बाद आगे की कार्यवाही शुरू की गई। जबकि पथराव के दौरान मार्शल अल्पेश और लेडी गार्ड को पत्थर लगने से उनको इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में ले जाया गया है।

3.61 लाख की विदेशी शराब समेत 10.31 लाख का माल जब्त

राजकोट (ईएमएस) । 31 दिसंबर निकट आते ही शराब तस्करी तेज हो गई है। दूसरी ओर पुलिस भी इसे सख्ती से कुचलने के तैयार है।

राजकोट की आजीडेम पुलिस ने आज त्रंबा के निकट गढ़डा गांव की सीमा पर छापा मारकर रु. 3.61 लाख से ज्यादा कीमत की विदेशी शराब समेत रु. 10.31 लाख माल जब्त कर लिया। पुलिस टीम देखकर शराब कटिंग कर रहे पांच शख्स मौके से फरार हो गए।

संवाददाता, सूरत। वलसाड में ईरान शाह उदवाड़ा उत्सव-2017 के समापन के अवसर पर देश के उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने मेधावी छात्रों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया।

रूपाणी सरकार में मिलेगा कई नए चेहरों को अवसर

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में कल नई सरकार का राजतिलक होनेवाला है। विजय रूपाणी मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के तौर पर नितिन पटेल शपथ ग्रहण करेंगे। साथ ही मंत्रिमंडल के सदस्य भी शपथ लेंगे, जिनमें कई नए चेहरों को अवसर मिल सकता है। गुजरात विधानसभा का लगातार छठा चुनाव जीतकर भाजपा फिर एक बार सरकार बनाने जा रही है। 26 दिसंबर को सचिवालय ग्राउंड में भव्य शपथ ग्रहण समारोण का आयोजन किया गया है। जिसकी जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। राज्य के मुख्य सचिव जेएन सिंह ने समारोह स्थल का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और 18 राज्यों के मुख्यमंत्री की मौजूदगी में होनेवाले शपथ ग्रहण के लिए 12000 महानुभावों को आमंत्रित किया गया है।

सूरत पालिका के प्लॉट में हो रही गांजा की खेती

संवाददाता, सूरत। अडाजण स्थित जयअंबे मंदिर के पास लवकुश अपार्टमेंट के पीछे पालिका के प्लॉट में गांजा की खेती होने की शिकायत स्थानीय लोगों द्वारा करने पर पालिका और पुलिस विभाग सकते में आ गया है। घटना की जानकारी होने पर पुलिस स्थल पर जाकर गांजा के बताए गए पौधे का नमूना लेकर प्राथमिक जांच किया तो उसमें वास्तविकता सामने आई कि वह जंगली पौधा है। फिर भी उसको जांच के लिए एफएसएल में भेजा गया है।

गत रोज उस प्लॉट में जेसीबी द्वारा कार्य किया जा रहा था और उस दौरान एक पौधा तोड़ दिया गया था। रविवार को फिर काम शुरू किया गया तो कुछ लोग वहां दौड़कर पहुंचे और कहने लगे कि गांजा का पेड़ क्यों तोड़ दिया। हमारा 50 हजार का नुकसान कर दिया। इस तरह नोकझोंक होने की जानकारी लवकुश अपार्टमेंट के लोगों को हुई तो वे भी प्लॉट पर पहुंच गए और इसकी जानकारी सीधे पालिका और पुलिस को दिए। पुलिस को आते देख लोग वहां से भाग खड़े हुए। पुलिस ने गांजा कहे जाने वाले पौधे का नमूना लेकर एफएसएल के लिए भेज दिया है।

पालिका के प्लॉट में अवैध तरीके से कन्स्ट्रक्शन वेस्ट (शराब) भी पिछले एक वर्ष से लाए जाने की जानकारी भी लवकुश अपार्टमेंट के लोगों ने रांदेर जोन में दी थी लेकिन प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया। अंत में स्थाई समिति के चेयरमैन राजेश देसाई द्वारा रिपोर्ट पेश करने के बाद आचार संहिता लागू होने से मामला अधर में पड़ गया। अब पालिका के प्लॉट में गांजा की खेती होने की बात से इसकी फिर से रिपोर्ट होने की संभावना की जा रही है।

कांकरिया कार्निवल में अबकि बार नहीं होगी आतिशबाजी

अहमदाबाद (ईएमएस) । शहर की ऐतिहासिक झील पर आज कांकरिया कार्निवल का प्रारंभ हो गया। एक सप्ताह तक चलनेवाले इस कार्निवल के दौरान लाखों लोग इसमें शामिल होंगे, जिन्हें यह जानकार निराशा होगी कि अबकि बार आतिशबाजी का कार्यक्रम नहीं होगा। प्रति वर्ष की भांति इस बार भी अहमदाबाद में कांकरिया कार्निवल का भव्य आयोजन किया गया है। कांकरिया कार्निवल में अबकि बार चार लेयर में लाइटिंग की गई है। जिसमें कांकरिया के बाहर का एप्रोच रोड, भीतर का वॉक वे, तालाब की सीढ़ियां और नगीना वाडी को रोशनी से सजाया गया है।

झोला छाप डाक्टरों पर गिरी एलसीबी की गाज, 6 गिरफ्तार

12 तक की शिक्षा लेकर कर रहे हैं डाक्टरी का पेशा, लोगों का जीवन डाल रहे हैं खतरे में

वापी। वापी में क्लिनिक चलाने वाले 12 चिकित्सकों के यहां जिला एलसीबी और मेडिकल विभाग ने संयुक्त छापा मारकर छह डाक्टरों को गिरफ्तार किया है। वापी में कुछ समय से झोला छाप डाक्टर पकड़े जा रहे हैं। जबकि अन्य 6 डाक्टरों की डिग्री की भी जांच चल रही है। लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले फर्जी डाक्टरों की दुकान चलने की शिकायतें हो रही थी। शिकायत के बाद वलसाड जिला आरोग्य विभाग और एलसीबी ने संयुक्त रूप से छापा मारकर अलग-अलग क्षेत्र से 6 नकली डाक्टटरों को गिरफ्तार की है।

एलसीबी ने वापी के डुंगरा फलिया, चणोद और भडकमोरा में 12 स्थलों पर छापा मारकर कुल 6 डाक्टरों को गिरफ्तार किया। इनके पास किसी तरह का कोई लाइसेंस आदि कागजात नहीं थे। गिरफ्तार किए गए डाक्टरों में कृष्णा पंचदेव सिंह संतोष मेडिकल के सामने मोटी सुलपड, भडकमोरा, राजेन्द्र भीखम चंद जैन, महावीर क्लिनिक भडकमोरा, नीहर रंजन विश्वास, विनोदी की क्लिनिक भडकमोरा, रोमन अधीर सकडर करवड छगनभाई की चाल में तथा अन्य एक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके उनके डिग्री की जांच की जा रही है। बताया जाता है कि पकड़े गए सभी डाक्टर कक्षा-12 तक की शिक्षा लिए हैं।

हार्दिक पटेल का ईवीएम में छेड़छाड़ के पक्के सबूत होने का दावा

अहमदाबाद (ईएमएस)। पास नेता हार्दिक पटेल ने गुजरात विधानसभा के संपन्न हुए चुनाव के दौरान ईवीएम में छेड़छाड़ किए जाने के उनके पास पक्के सबूत होने का दावा किया है। उनका दावा है कि यदि ईवीएम में छेड़छाड़ नहीं की जाती तो कांग्रेस 100 से ज्यादा सीटें जीत सकती थी। गुजरात विधानसभा चुनाव में तीसरा सबसे बड़ा चेहरा रहे पास नेता हार्दिक पटेल ने फिर एक बार भाजपा की जीत पर सवाल उठाए हैं। हार्दिक पटेल ने दावा किया है कि गुजरात चुनाव में ईवीएम से छेड़छाड़ की गई है और उसी के कारण राज्य में भाजपा को जीत मिली है। हार्दिक पटेल ने दावा किया है मैं इसी साबित भी कर सकता हूं। हार्दिक के मुताबिक भाजपा को पता था कि वह गुजरात में चुनाव हार रही है। लेकिन भाजपा पर कोई संदेह नहीं करे, इसीलिए ईवीएम में छेड़छाड़ कर अपनी सीटें 99 तक सीमित कर दी। भाजपा ने क्षेत्रों में विजय प्राप्त किया है, उन क्षेत्रों में भाजपा का कोई जनाधार ही नहीं था। हार्दिक पटेल ने कहा कि यदि राज्य में निष्पक्ष चुनाव होता तो कांग्रेस 100 से 102 सीटों पर और भाजपा को 78 से 81 सीटें मिली होती।

बेडरूम में लगी आग, शिक्षिका जलकर हुई खाक

संवाददाता, अंकलेश्वर। अंकलेश्वर के कोसमडी स्थित रुद्राक्ष रेजिडेंसी में रहने वाली विजन स्कूल की शिक्षिका की बेडरूम में सोई हालत में जलने के कारण मौत हो गई। जब यह घटना हुई उस समय उसके पति अपने 6 वर्षीय पुत्र के साथ अंबाजी दर्शन करने गए थे। कमरे में से दुर्गंध आने पर पास पड़ोस के लोग पुलिस को बुलाए तो शिक्षिका की जली हुई हालत में लाश मिली। आग शॉर्ट शर्किट से लगने का अनुमान लगाया जा रहा है। उसके पति चिराग गांधी और 6 वर्षीय पुत्र अंबाजी दर्शन करने गए थे। उसी दौरान 25 वर्षीय मेघना घर पर अकेली थी। सुबह उनके मकान से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस आकर दरवाजा खोली तो मेघना जली व मृत हालत में मिली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजन स्कूल में पढ़ाने वाली शिक्षिक मेघना चिराग गांधी कोसमडी रोड स्थित रुद्राक्ष अपार्टमेंट में ए-406 के मकान में रहती थी। गत रोज उसके पति चिराग गांधी और 6 वर्षीय पुत्र अंबाजी दर्शन करने गए थे। उसी दौरान 25 वर्षीय मेघना घर पर अकेली थी। सुबह उनके मकान से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस आकर दरवाजा खोली तो मेघना जली व मृत हालत में मिली। पुलिस के बताए अनुसार आग केवल बेडरूम में लगी थी। आग लगने की जानकारी न होने से मेघना विस्तर पर ही आग की चपेट में आ गई होगी, ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है। बहरहाल आग लगने का वास्तविक कारण सामने नहीं आ पाया है। जिससे आग का कारण शॉर्ट सर्किट भी हो सकता है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आए निवृत्त पुलिसकर्मी की मौत

राजकोट (ईएमएस)। जिले के गोंडल के निकट वीरपुर दर्शन करने जा रहे एक पुलिसकर्मी की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के अंबिकानगर निवासी और पुलिस सेवा से निवृत्त हुए जेठाभाई परमार गत 16 दिसंबर को अपने घर से वीरपुर स्थित जलाराम मंदिर में दर्शन करने के उद्देश्य पैदल निकले थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com